

आज

बेबाक

देश के अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि लॉकडाउन को 14 अप्रैल के बाद भी जारी रखा जाए। देश के मौजूदा हालातों को मद्देनजर रखकर लॉकडाउन को और कम से कम दो सप्ताह जारी रखा जा सकता है। ऐसा करना जरूरी भी है। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या जिस तेजी से बढ़ रही है उसे देखते हुए लॉकडाउन को बढ़ाने के अलावा सरकार के पास और कोई रास्ता नहीं है। 14 अप्रैल तक लॉकडाउन का पालन और ज्यादा कड़ाई से कराने की भी सख्त जरूरत है। तभी हालात काबू में आएंगे।

खास खबर

ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ की फंडिंग पर रोक लगाने की दी धमकी, बाद में किया खंडन

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी देने के बाद स्वयं अपने बयान का खंडन किया। उन्होंने डब्ल्यूएचओ पर महामारी से निपटने में चीन के पक्षपाती होने का आरोप लगाया। श्री ट्रंप ने कहा, उन्होंने इसे गलत बताया, उन्होंने कॉल मिस कर दिया। इसलिए अब हम इसपर बहुत बारीक से नजर रख रहे हैं और डब्ल्यूएचओ के खर्च पर रोक लगाने जा रहे हैं। इन टिप्पणियों को करने के कुछ देर बाद श्री ट्रंप ने अपने खुद के बयान का खंडन किया। श्री ट्रंप ने इस बात से इनकार किया कि वह कह रहे हैं कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ को धन देना बंद कर देगा। उन्होंने कहा, नहीं, मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने कहा कि मैं इसे देखता हूं।

देश में कोरोना से 149 की मौत, 5194 संक्रमित नई दिल्ली । देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड 19) संक्रमितों की संख्या में वृद्धि होने के साथ ही यह 5194 पर पहुंच गयी है तथा संक्रमण के कारण अब तक 149 लोगों की मौत हुयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैल चुका है। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 773 नये मामले सामने आने के साथ ही अब तक इसके 5194 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें 65 विदेशी मरीज भी शामिल हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटे के दौरान 35 और लोगों की मौत के साथ ही मृतकों का आंकड़ा 149 हो गया है। अभी तक कोरोना संक्रमित 402 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

न डरना है, न रूकना है, हमें तो बस जीतना है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के मैदानी अमले का बढ़ाया हौसला

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को संदेश दिया है कि न डरना है, न रूकना है, हमें तो बस जीतना है । श्री चौहान ने कहा कि निचले पायदान से लेकर शीर्ष तक राजस्व अमले ने कोरोना से निपटने में जबर्दस्त हौसला दिखाया है। मुख्यमंत्री राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से टेलीफोन के जरिए रूबरू हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने

कहा कि राजस्व विभाग का पूरा अमला योद्धा के रूप में कोरोना के विरुद्ध चल रहे युद्ध में भागीदारी निभा रहा है। श्री चौहान ने कोटवार से लेकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तक से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पत्रा की तहसीलदार सुश्री दीपा चतुर्वेदी से चर्चा करते हुए उनसे क्षेत्र में कोरोना का सामना करने के बारे में किए गए प्रयासों की जानकारी ली। चौहान शेष पृष्ठ 7 पर

मुख्यमंत्री शिवराज ने प्रदेश में एरम्मा लागू किया

शिवराज ने ट्वीट कर कहा- लोगों को किसी चीज की दिक्कत न हो, इसलिए निर्णय लिया

भोपाल। कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार हर कोशिश कर रही है। बुधवार दोपहर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दो चौकाने वाले फैसले लिए। पहला- पूरे प्रदेश में एरम्मा लागू कर दिया है। सरकार ने प्रदेश में एसशियल सर्विसेज मैनेजमेंट एक्ट (अव्यावश्यक सेवा अनुरक्षण कानून) तत्काल प्रभाव से लागू किया है।

गृह मंत्रालय ने दिए थे निर्देश

बुधवार को गृह मंत्रालय ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए देशभर में लॉकडाउन के बीच आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एरम्मा लागू करने को कहा था। केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ल ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को लिखे गए पत्र में कहा है कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। इन उपायों के तहत स्टॉक सीमा तय करने, मूल्यांकन का निर्धारण, उत्पादन बढ़ाना और डीलरों, अन्य के खातों की जांच आदि शामिल है।

मुख्यमंत्री ने ये निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देश के बाद लिया है। दूसरे फैसले में सरकार ने भोपाल सीएमएचओ डॉ. सुधीर डेहरिया को हटा दिया है। उनकी जगह सीहोर के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी को जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. डेहरिया को सीहोर भेजा गया है। करीब शेष पृष्ठ 7 पर

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की सर्वदलीय बैठक में चर्चा

एक ही झटके में खत्म नहीं किया जा सकता लॉकडाउन

सरकार की प्राथमिकता हर व्यक्ति की जान बचाना

नई दिल्ली/ए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में लॉकडाउन बढ़ाने के संकेत दिए हैं। कोरोना संकट पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी ने इसको लेकर दो अहम बातें कही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन को एक साथ एक ही झटके में लॉकडाउन खत्म नहीं किया जा सकता और दूसरा यह कि कोरोना से पहले और कोरोना के बाद की जिंदगी एक जैसी नहीं रहने वाली। मोदी ने इस दौरान कहा कि वे 11 अप्रैल को एक बार फिर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। वर्तमान में 21 दिन का लॉकडाउन 14 अप्रैल तक के लिए है। पीएम की बैठक में कांग्रेस समेत लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने भाग लिया। पीएम ने इस बैठक में सरकार द्वारा कोरोना संकट से निपटने के कार्यों की जानकारी दी और नेताओं से राय मांगी। हालांकि कुछ नेताओं ने आंशिक तौर शेष पृष्ठ 7 पर

सोशल इमर्जेंसी जैसे देश के हालात

सर्वदलीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि देश के हालात सामाजिक आपातकाल की तरह हैं। देश सख्त फैसलों को लेने के लिए मजबूर है और चौकस रहते हुए इन कड़े फैसलों को जारी रखना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों और विशेषज्ञों ने देशव्यापी लॉकडाउन को और बढ़ाने की मांग की है।

लॉकडाउन पर मतभेद नहीं : आजाद

नई दिल्ली, । कांग्रेस ने कहा है कि कोरोना वायरस ‘कोविड-19’ के खिलाफजंग में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कोई मतभेद नहीं है और केंद्र तथा राज्य सरकारें लॉकडाउन बढ़ाने को लेकर जो निर्णय लेंगी पूरा देश उसका समर्थन करेगा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक के बाद बुधवार को यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में ये बात कही। कहा कि पूरा देश इस समय कोरोना वायरस के संक्रमण के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ रहा है। हमारी लड़ाई इस समय सरकार से नहीं, कोरोना से है तथा इस लड़ाई में सरकार और विपक्ष एक साथ हैं।

जिन पर गर्व था, उन्हें ही हटाया : भोपाल सीएमएचओ डॉ. सुधीर डेहरिया का ट्रांसफर

सीएम ने बताया था कोरोना वॉरियर

सीहोर के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी होंगे भोपाल के नए मुख्य जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. सुधीर डेहरिया की घर के बाहर गेट पर खड़े परिवार से मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। अपनी एक फोटो से सोशल मीडिया में चर्चा में आए भोपाल सीएमएचओ डॉ. सुधीर डेहरिया को सरकार ने हटा दिया है। उनकी जगह सीहोर के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी को

जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. डेहरिया को सीहोर भेजा गया। ये वही डॉ. सुधीर डेहरिया हैं, जिनकी फोटो शिवराज सिंह ने अपने ट्वीटर पर शेयर कर उन्हें कोरोना वॉरियर बताया था और कहा था- हमें उनका ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि इससे पहले 26 मार्च को भी डॉ. डेहरिया का ट्रांसफर ऑर्डर जारी हुआ था, शेष पृष्ठ 7 पर

आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करें: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली । गृह मंत्रालय ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए देश भर में जारी पूर्णबंदी के दौरान आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने को कहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने पर सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ल ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को लिखे गये पत्र में कहा है कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय किये जाने चाहिए। इन उपायों के तहत स्टॉक सीमा तय करने, मूल्यांकन का निर्धारण, उत्पादन बढ़ाना और डीलरों तथा अन्य के खातों की जांच आदि शामिल है।

सांसदों के भत्तों में भी कटौती

नई दिल्ली । कोरोना वायरस ‘कोविड-19’ महामारी से उपजी आपात स्थिति के मद्देनजर सांसदों के वेतन के साथ उनके भत्तों में भी कटौती की गयी है। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों ने इस संबंध में अलग-अलग अधिसूचनार्थ जारी की हैं। इनमें सभी सांसदों का निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 70 हजार रुपये मासिक से घटाकर 49 हजार रुपये मासिक कर दिया गया है। यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक के लिए की गयी है। सांसदों को मिलने वाले कार्यालय व्यय भत्ते के तहत लेखन सामग्री

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति स्वच्छा से कर चुके कटौती

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपालों ने भी स्वच्छा से अपने वेतन में 30 फीसदी की कटौती की है। साथ ही सांसदों को उनके क्षेत्र में विकास कार्य के लिए मिलने वाली सांसद निधि पर भी दो साल के लिए रोक लगा दी गयी है। यह पैसा देश के कंसोलिडेटेड फंड में जमा किया जायेगा।

और डाक व्यय खर्च के लिए मिलने वाली राशि भी 20 हजार रुपये प्रति माह से घटाकर 14 हजार रुपये प्रति माह कर दी गयी है। अन्य भत्तों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को ही सांसदों के वेतन में एक साल के लिए 30 फीसदी कटौती संबंधी अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की थी। उल्लेखनीय है कि इस अध्यादेश के प्रारूप को सोमवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिली थी। कोविड-19 से निपटने के लिए अतिरिक्त धन राशि जुटाने के प्रयास के तहत सांसदों के वेतन एवं भत्तों में कटौती की गयी है।



कोरोना वायरस

स्वास्थ्य और पुलिस महकमे में सबसे ज्यादा संक्रमित, कलेक्टर और डीआईजी ने भी जांच कराई

भोपाल में कोरोना: अब तक 92 पॉजिटिव

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी में बुधवार को कोरोना के 8 नए मामले सामने आए। इनमें एक पत्रकार भी है। मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने इसकी पुष्टि की। कोरोना का संक्रमण पिछले पांच दिन में बढ़कर 92 तक पहुंच गया। इन पांच दिनों में हर रोज औसतन 20 पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें सबसे ज्यादा स्वास्थ्य कर्मी और पुलिस कर्मियों में संक्रमण फैला है। इसलिए भोपाल में कई अफसर ड्यूटी

मंगलवार को 21 और आज 8 नए मरीज मिले, इनमें स्वास्थ्य विभाग के 14 कर्मचारी और 7 पुलिसकर्मी

प्रशासन ने शहर के 84 क्षेत्रों को कैंटोनमेंट एरिया घोषित किया, इसमें 11 नए स्थान शामिल हैं

के बाद घर नहीं जा रहे हैं। उन्हें रोक दिया है। यहां 2100 पुलिसकर्मियों को होटल, लॉज और गेस्ट हाउस में ठहराया गया है, शेष पृष्ठ 7 पर

भीलवाड़ा या कर्नाटक मॉडल, जहां भी अच्छा काम हुआ, उसे राज्य में अप्लाई करें

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिए हैं कि भोपाल और इंदौर शहरों में कोरोना के अधिक प्रकरण मिले हैं, इसलिए इनकी सीमाओं को और कड़ाई से सील किया जाए। आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध हो। संक्रमण रोकने के लिए सर्वे कार्य और कोरोना टेस्टिंग गहनता से की जाए। प्रदेश में कोरोना संक्रमण को पूरी तरह से रोकना है और मरीजों को ठीक करना है। इसके लिए भीलवाड़ा, कर्नाटक मॉडल और जहां भी अच्छे कार्य हुए हैं, उनकी जानकारी मंगाए और प्रदेश में लागू करें।

स्वास्थ्य और पुलिस महकमे में फैले संक्रमण की होगी जांच

भोपाल में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमण फैले फैला, इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के 34 कर्मचारी और 10 पुलिसकर्मी संक्रमित हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग में प्रमुख सचिव पद्मवी जैन गोविल, सचिव कोपेश्वरन के एमडी रहे विजय कुमार के साथ डॉ. वीणा शिखर और अन्य जो भी अधिकारी, डॉक्टर व कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव हुए हैं, उनकी कॉन्टैक्ट हिस्ट्री की पड़ताल होगी।

संक्रमण कहां से फैला, इसकी जांच जरूरी: स्वास्थ्य आयुक्त

स्वास्थ्य आयुक्त फैज अहमद किदवई ने कहा है कि संक्रमित अफसरों की कॉन्टैक्ट हिस्ट्री और इसके क्रम की पड़ताल करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए हैं। असलियत सामने आने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। किदवई ने बताया कि परस्पर संपर्क से ही कोरोना संक्रमण का विस्तार होता है। प्रभावित व्यक्ति किन लोगों से किस क्रम में मिले और यह कहाँ से आरंभ हुआ, इसकी ट्रेसिंग आवश्यक है।

भोपाल। राज्य शासन ने कोरोना वायरस संक्रमण को कारण प्रदेश में उत्पन्न आर्थिक संकट से निपटने में सुझाव देने के लिये 4 सदस्यीय समिति का गठन किया है। अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अनुराग जैन को समिति का समन्वयक बनाया गया है। समिति से 15 अप्रैल, 2020 तक सुझाव प्रस्तुत करने को कहा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के जारी आदेशानुसार समिति में पूर्व वित्त सचिव भारत सरकार श्री सुमित बोस, डायरेक्टर एन.आई.पी.एफ.पी. डॉ. रथिन राय, आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर श्री गणेश कुमार निडुवाला और महानिदेशक प्रशासन अकादमी श्री ए.पी. श्रीवास्तव के सदस्य मनोनीत किया गया है।

मध्यप्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल: कोरोना की चपेट में आई स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव और संचालक को हटाया

फेरबदल स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहा और इस दौरान कोरोना की चपेट में आए दो आईएएस अधिकारियों को बदल दिया गया. इसमें स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव पल्लवी जैन गोविल की जगह मोहम्मद सुलेमान को एसीएस स्वास्थ्य बनाया गया है. वहीं स्वास्थ्य संचालक (प्रशासन) विजय कुमार की जगह सुदाम खाड़े को संचालक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी दी गई है.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना संकट के बीच मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार रात को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर

जाला, यह फेरबदल स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहा और इस दौरान कोरोना की चपेट में आए दो आईएएस अधिकारियों को बदल दिया गया। इसमें स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव पल्लवी जैन गोविल की जगह मोहम्मद सुलेमान को एसीएस स्वास्थ्य बनाया गया है। वहीं स्वास्थ्य संचालक (प्रशासन) विजय कुमार की जगह सुदाम खाड़े को संचालक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी दी गई है।

देर रात जारी हुए आदेश

मध्य प्रदेश में कोरोना से निपटने की चुनौती के बीच बड़ी संख्या में सीनियर आईएएस, स्वास्थ्य और पुलिस अफसरों के इस बीमारी के चपेट में आने से नई समस्या खड़ी हो गई है. कोरोना की चपेट में आए स्वास्थ्य विभाग को इससे उबारने के लिए शिवराज ने अपने पसंदीदा अफसरों को कमान सौंप दी है. मोहम्मद सुलेमान को उन्होंने



एसीएस हेल्थ नियुक्त किया है. दे रात आदेश जारी कर दिए गए हैं.

कोरोना की डबल चुनौती

दरअसल प्रदेश में तेजी से बढ़ी कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में एक बड़ा आंकड़ स्वास्थ्य विभाग का है. विभाग के प्रमुख सचिव पल्लवी जैन गोविल से लेकर दूसरे अफसर और

कर्मचारी कोरोना से संक्रमित हैं। ज्यादातर अफसरों का इलाज बड़े अस्पतालों में कराया जा रहा है। तो कुछ कर्मचारियों को क्वारंटीन किया गया है। यही वजह है कि अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विभाग की कमान और कोरोना संकट से निपटने की जिम्मेदारी अपने पसंदीदा अफसर मोहम्मद सुलेमान को सौंपी है।

अपने चहेतों को जिम्मेदारी!

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के कोरोना वायरस की चोट में आने से विभाग खुद सवाल के घेरे में है। स्वास्थ्य विभाग की सहेत सुधारने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पसंदीदा अफसर पर दांव खेला है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में अपर मुख्य सचिव पद पर मोहम्मद सुलेमान को नियुक्त किया है। सुलेमान अपने मौजूदा विभाग ऊर्जा के साथ स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके अलावा शिवराज सरकार में भोपाल कलेक्टर का जिम्मा संभालने वाले सुदाम खांडे को फिर से अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें स्वास्थ्य विभाग में संचालक नियुक्त किया गया है। शिवराज की कोशिश इन दोनों अफसरों के जरिए स्वास्थ्य विभाग और प्रदेश की हालत सुधारने की है।

मप्र में 313 कोरोना संक्रमित

मध्य प्रदेश में 313 कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इनमें एक पॉजिटिव यूपी के कौशाबी का रहने वाला है। इसके अलावा, इंदौर 173, भोपाल 84, गुरैना 13, जबलपुर 8, उज्जैन 13, खरगोन 4, बड़वानी 3, ग्वालियर में छह, शिवपुरी और छिंदवाड़ा में 2-2, कटनी, विदिशा, बैतूल, श्यामपुर, होशंगाबाद में एक-एक संक्रमित मिला। अब तक इंदौर में 15, उज्जैन में 5, भोपाल, छिंदवाड़ा, खरगोन में एक-एक की मौत हो गई। इसमें इंदौर 14, जबलपुर 3, भोपाल 2, शिवपुरी और ग्वालियर में एक-एक मरीज स्वस्थ होने पर घर भेज दिया गया।

कांग्रेस विधायक ने सीएमएचओ को लगाया फोन, बोले किर्स
के बाप का पैसा नहीं है, मेरा पैसा कहाँ खर्च होगा मैं बताऊंगा,

नवप्रदेश संवाददाता

मोपाल। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के चंदेरी से कांग्रेस विधायक आज समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ईसादाह को निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान कांग्रेस विधायक गोपाल सिंह चौहान को घटिया मार्ग दिखाया गया। घटिया मार्ग दिखते ही विधायक गोपाल सिंह चौहान भड़क गए और मौके से ही सीएमएचओ को फोन लगाकर फटकार लगाई। विधायक ने सीएमएचओ को फोन लगा दिया। फोन लगाते ही विधायक ने सीएमएचओ को कहा कि हम जो कहेंगे वो आप को भेजना पड़ेगा। इतना ही नहीं विधायक ने सीएमएचओ को कहा कि आप पास से ड्रिए सीएमएचओ साहब, मेरी विधायक निधि का पैसा है कमीशन नहीं खा जाएगा कोई। विधायक ने सीएमएचओ को फोन पर बात करते हुए कहा कि आप ने गलत किया। सीनेटायजर सरकार भेज रही है। आप ने जो मार्ग भेजा है ये दो घंटे में खराब हो जाएगा। आदमियों की जिंदगी से खिलवाट मत करो



सीएमएचओ साहब। सीएमएचओ से बात करते हुए काग्रेस विधायक ने कहा कि इसमें कोई कमिशन या दलाली खा गया है। आप भगवान से डरिए। मैं विधायक हूँ जो मैं चाहूँगा वैसे ही पैसा खर्च होगा। किसी के बाप का पैसा नहीं है मेरी विधायक निधि का पैसा है। मार्क की क्रांति को घंटिया बताते हुए विधायक ने सीएमएचओ से कहा कि आप ये मार्क खुद लगाकर देखो 2 घंटे में खराब हो जाएगा। आप को कोई अधिकार नहीं है मेरे पैसे को खर्च करने का। मैं बताऊँगा कि आप को मेरे कल हार खर्च करना है। कुलर परचे लगवाओ ,लेकिन पहले हमसे पूछकर ही पैसा खर्च करो।

मप्र में कोरोना: कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा...

हनुमानजी संकट दूर करते हैं,
इसलिए घरों में चालीसा का पाठ
करें, कोरोना महामारी का अंत होगा

बुधवार को हनुमान जयंती पर
पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दी
लोगों को सलाह, राज्य में अब
तक 321 कोरोना पॉजिटिव

कमलनाथ ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वह प्रत्येक जरूरतमंद की मदद के लिए आगे आएँ

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोनावायरस के लगातार बढ़ते संक्रमण और देशभर में 21 दिनों के लॉकडाउन के बीच पूरे देश में मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हनुमान चालीसा का पाठ करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि सभी लोग अपने-अपने घरों में हनुमान चालीसा का पाठ करें। भगवान हनुमान संकट को दूर करते हैं।



जल्द ही कोरोना जैसी महामारी का भी अंत होगा। उन्होंने प्रदेश और देशवासियों को हनुमान जयंती और शुभकामनाएं दीं दी हैं। आज यानी बुधवार को हनुमान जयंती है। कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वह प्रत्येक जरूरतमंद की मदद के लिए आएँ। संकट की घड़ी में जब्रूना ही की मदद के लिए हाथ बढ़ाना ही कांसरी की पश्चान है। इसलिए इस कठिन समय में प्रदेश के लोगों की मदद करें। कमलनाथ ने अपने संदेश में कहा- +आज पूरा विश्व एक विश्वयात्री महामारी का सामना

कर रहा है। ऐसे में आप सभी मिलकर इस कठिन घड़ी में प्रवेशवासियों का कंधे से कंधा मिलकर साथ दें। हर मददगार की मदद के लिए आगे आएँ।* उन्होंने इस महामारी के समय हनुमान चालीसा का पाठ करने का भी आग्रह किया। उन्होंने भगवान हनुमान संकट काटने वाले हैं और हनुमान चालीसा का पाठ करने से कोरोना वायरस का संकट खत्म हो जाएगा। काप्रेस के प्रेस अधिकारी कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा कि जिस तरह से हमारे डॉक्टर, वैज्ञानिक, नर्स, वर्डबॉय और अन्य सभी स्वास्थ्यकर्मी महामारी से लड़ रहे हैं, उससे हम जल्दी कोरोनावायरस की महामारी से निजात पाने में कामयाब होंगे। डॉक्टर, पुलिस, नर्स, नगर निगम कर्मी, स्वास्थ्यकर्मी इस महामारी में लोगों की सेवा कर रहे हैं।

सराहनीय पहल

उज्जैन में मक्सी रोड, पाटपाला स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला को क्वारंटीन सेंटर बनाया गया है।

पुलिस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बना रसोईघर, रोज बन रहा है 10 हजार लोगों का खाना

पीटीएस उज्जैन को त्वारेंटाइन सेंटर बनाने के लिए हॉस्टल के साथ-साथ पूरे कैंपस की साफ-सफाई कराई गई है. साथ ही हॉस्टल और सरकारी इमारतों के हर कमरे, टॉयलेट, बाथरूम को नगर निगम उज्जैन के जरिए सेनेटाइज कराया गया है.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के जिन कैपस में कभी पुलिस वालों की कदम ताल की आवाज गुंजती थी वहां अब मदद के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं। ये पुलिस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट हैं जिनके दरवाजे मध्य प्रदेश पुलिस ने लॉक डाउन में घर से दूर रह गए जरूरतमंदों के लिए खोल दिए हैं। अब



यहां चौबीसों घंटे पुलिस का स्टाफ इन लोगों की मदद में जुटा हुआ है। पुलिस के इन इंस्टीट्यूट्स में पुलिसवालों की

कठिन ट्रेनिंग होती है. पुलिस को हर हालात से निपटने के लिए यहां सख्त निर्देश दिए जाते हैं. माहौल अनुशासित रहता है.

लेकिन अब इन्हीं कैंपस में रह-रहकर यह आवाज सुनाई दे रही है, जल्दी कीजिए लोग भूखे हैं और हमारा इंतजार कर रहे हैं.

रोज 10 हजार जरूरतमंदों के लिए खाना

इंदौर स्थित मध्यप्रदेश पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज की मैस में रोज दस हजार लोग के लिए निःशुल्क भोजन तैयार किया जा रहा है। यह खाना उन लोगों को दिया जा रहा है जो रोज कमराटे-खाते थे। लेकिन लॉकडाउन की वजह से काम धंधा बंद हो गया है और ये असहाय गए हैं। खाना बनाने के लिए जिला प्रशासन ने रियायत दर पर राशन मुहैया करा रहा है और स्वीच्छिक दानदाता अपनी श्रद्धा के अनुसार दान कर रहे हैं। पुलिस ट्रेनिंग

कॉलेज के कर्मचारी दिन-रात मेहनत का पूरी साफ-सफाई और अच्छी क्वालिटी के साथ जरूरतमंदों के लिए रसोई तैयार कर रहे हैं।

पुलिस को सलाम

जरूरतमंदों तक खाना पहुंचा रहे पुलिस जवानों का कहना है हफ्तों से अपने परिवार से दूर रहने की तकलीफों में उस वक़्त भूल जा रहे हैं, जब हम इस सहाय लोगों को हमारी पहुंचाई रोटी का निवाला मुंह में डालते देखते हैं। जिला प्रशासन ने इंदौर में आंकलन कराया था कि शहर में लगभग एक लाख ऐसे लोग हैं, जिनका गुजारा रोज की कमाई से होता है।लौकिक संकट की वजह से इनके सामने रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

विला प्रशासन ने इन लोगों को खाना मुहैया कराने के लिए समाजसेवियों और सरकारी और निजी संस्थाओं से आगे निकाली और अपील की थीं। सबसे पहले पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज ने अपने हाथ तत्परता से आगे बढ़ाए, यह संस्थान अब हर दिन 10 हजार लोगों को भोजन कर रहा है। इस तरह उज्जैन में मक्खी रोड, पाटपाला स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला को क्वार्टरटीन सेक्टर बनाया गया है। पीटीएस उज्जैन को क्वार्टरटाइन सेक्टर बनाने के लिए हॉस्टल के साथ-साथ पूरे कैम्पस की साफ-सफाई कराई गई है। साथ ही हॉस्टल और सरकारी इमारतों के हवाई कमरे, टॉयलेट, बाथरूम को नगर निगम के जैज के जरिए सेनेटाइज करवाया गया है।

संपादकीय

लॉकडाउन बढ़ाना आवश्यक

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने 21 दिनों का लॉकडाउन लगाया था जिसकी अवधी 14 अप्रैल को खत्म होने जा रही है। इस बीच देश में लॉकडाउन के बावजूद कोरोना वायरस के संक्रमण का शिकार लोगों की संख्या तेजी से बड़ रही है। अब तक पांच हजार से अधिक लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके है और 117 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यह स्थिति बेहद खतरनाक है और कोरोना के थर्ड स्टेज में जाने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि जिन राज्यों में कोरोना संक्रमण के शिकार लोगों की संख्या ज्यादा है वहां के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया है कि वे कम से कम और दो सप्ताह के लिए लॉकडाउन जारी रखें। केन्द्र सरकार भी इस पर गंभीरता से विचार कर रही है। वास्तव में यदि लॉकडाउन हटा दिया गया तो कोरोना वायरस के और ज्यादा फैलने की संभावना है। जबकि राज्य सरकारों के पास इस संकट से निपटने के लिए संसाधनों की बेहद कमी है। ऐसी स्थिति में लॉकडाउन को आगे बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं है। दरअसल 21 दिनों के लॉकडाउन का यदि इमानदारी से पालन किया जाता तो चैन टूट सकती थी और कोरोना वायरस के फैलाव को रोका जा सकता था। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और लॉकडाउन की अवहेलना कर देश के लगभग सभी राज्यों में कोरोना वायरस को फैला दिया। यही नहीं बल्कि उन मुखों ने खुद को छिपाकर भी रखा हुआ है। जिनकी तलाश करना पुलिस और प्रशासन के लिए मुश्किल पैदा कर रहा है। ऐसी स्थिति में लॉकडाउन को आगे बढ़ाना निहायत जरूरी है। ताकि कोरोना संक्रमित लोगों की पहचान करने उन्हें तलाशने और अस्पताल ले जाने का समय मिल सके। 14 अप्रैल तक भी लॉकडाउन को और कड़ाई पूर्वक लागू कराना निहायत जरूरी है। अभी भी कुछ लोग समझने को तैयार नहीं है कि देश कितने बड़े खतरे में पड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार लोगों से अपील कर रहे है कि वे घरों में ही रहे लेकिन कुछ लोग मानने के लिए तैयार ही नहीं है। पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती बरती है तो ऐसे उपद्रवी तत्व पुलिस पर भी हमला कर देते है। यही नहीं बल्कि जिन कोरोना संक्रमित लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। वे डॉक्टरों और नर्सों के साथ दुर्व्यवहार करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। ऐसे लोगों के वजह से ही लॉकडाउन को और आगे बढ़ाने की नौबत आ गई है। यदि ये लोग अभी भी नहीं सुधरे तो सरकार को और कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा और देश को इसका दुष्परिणाम भुगतना पड़ेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार लॉकडाउन को आगे बढ़ाकर उसका कड़ाई पूर्वक पालन कराने के लिए कारगर कदम उठाएगी।

विचार

कोरोना: मोदी को सोनिया का पत्र

भारत की जनता को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि देश के सभी राजनीतिक दल कोरोना के विरुद्ध एकजुट हो गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे अपने पत्र में कुछ रचनात्मक सुझाव दिए हैं। केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब और दिल्ली के गैर-भाजपाईं मुख्यमंत्री लोग भाजपाईं मुख्यमंत्रियों की तरह डटकर काम कर रहे हैं। गैर-राजनीतिक समाजसेवी लोग तो गजब की सेवा कर रहे हैं। यह भी गौर करने लायक बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा अन्य संगठनों ने जमाते-तबलीगी के मामले का सांप्रदायिकीकरण करने का विरोध किया है लेकिन हमारे कुछ टीवी चैनल इसी मुद्दे को अपनी टीआरपी के खातिर पीटे चले जा रहे हैं। संतोष की बात यह भी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से कोरोना की दवाई भिजवाने का अनुरोध किया है। इस दवाई का परीक्षण करके भारत में ही इसका प्रयोग जमकर क्यों नहीं किया जाए ? हमारे पड़ोसी देशों को यह दवाई बड़े पैमाने पर भारत आगे होकर भेंट क्यों न करे ? जहां तक सोनिया गांधी के पांच प्रस्तावों का प्रश्न है, सबसे अच्छी बात तो यह है कि उन्होंने मोदी की इस घोषणा का स्वागत किया है कि सांसदों के वeten में 30 प्रतिशत की कटौती और सांसद-निधि स्थगित की जाएगी। मैं सोचता हूं कि हर सांसद को स्वेच्छ से कम से कम पांच-पांच लाख र. कोरोना रहत-कोष में दे देना चाहिए। चुनावों में वे करोड़ों का इंतजाम करते हैं या नहीं ? इस कोश के साथ किसी प्रधानमंत्री या व्यक्ति या पद का नाम जोड़ना हास्यास्पद है और यह कहना तो अत्यंत विचित्र है कि “पी एम केयर्स फंड”। क्या देश की चिंता सिर्फएक ही व्यक्ति को है ? क्या बाकी सब लोग ‘केयरलेस’ (लापरवाह) हैं ? ये सुझाव भी ठीक है कि कुछ सरकारी खचों में भी 30 प्रतिशत की कटौती की जाए। सरकारी खचें पर विदेश यात्राएं बंद हों। 20 हजार करोड़ रु. के ‘सेंट्रल रिस्र्‍व’ के निर्माण-कार्य को बंद किया जाए। उनका एक और सार्थक सुझाव है। वह भाजपाइयों और कांग्रेसियों दोनों पर लागू होता है। सरकारें और नेतागण अपने धुआंधार विज्ञापनों को रोकें। उस पैसे को कोरोना-युद्ध में लगाएं। सोनियाजी और मोदीजी अपनी पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं को घर से निकलकर दुखी लोगों की मदद करने के लिए क्यों नहीं कहते ? तबलीगीयों को गली देने और शर्मिंद करने की बजाय उनको जांच और इलाज के लिए उन्हें प्रेरित क्यों न किया जाए ? आखिरकार, वे भी भारतमाता की ही संतान हैं।

पाठकों की बात

बस एक छोटा सा काम कर एक



बस एक छोटा सा काम कर एक दिया देश के नाम कर कोई किंतु परन्तु मार न कर तू एक दूजे का हाथ फकड़ भी भारती को सादर अर्पण दीपों से सजती शाम कर एक दीया देश के नाम कर होे दू अँधैर घर-घर से भागेगी निराश इस डर से होे पावन अब हर जन का मन कुछ ऐसा अद्भुत कर एक दिया देश के नाम।
कल्याणी कबीर

चाँद पर झंडा गाड़ आये, मंगल पर

चाँद पर झंडा गाड़ आये, मंगल पर रोबो उतार दिया, शनि का वीडियो बना लाये, सूर्य का क्लोसअप निकाल लिया, शुक्र पर जीवन खोज रहे हैं और पृथ्वी पर खुद के जीने के लाले लंगें हैं पता भी नहीं बचेगे या निपट जाएंगे।
आम प्रकाश जासवाल

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती | मिट्टी का दीपक बनकर सीखा



मिट्टी का दीपक बनकर सीखा मैंने जीवन जीना। मध्यम मध्यम जलकर रौशन करते जाना। कोई चमक में इसकी जीवन अपना बनाता। कोई इसी उजाले में अपना जीवन मिराता। अपनी अपनी सोच से ये मानव स्वयं परेशान। बन दीपक मैंने जाना, दिया बनना नहीं आसान। भाग्य बनाने वाले दिये को मेरा सलाम। बनकर दीप मिट्टी का शीतलता को अपनाते है। ट्यूब लाइट का जीवन जल-जल कर बिताते हैं।। कीट-पतंगें के जैसा जीवन अपना होता। फिर भी नादान मानव पल -पल धन के लिए रोता।। अपना अहं अपनों को दिखाता। कितना मूर्ख मानव बन जाता।। मिट्टी से सीखो खुद को मिटकर रूप अनेक धारण करती। ले आकर दीप का जीवन में प्रकाश भरती।। दिये जैसा सुखद ,सुफल भाग्य विधाता कहलाती। धरती का क्रोश सम्मान, दीपक बनना नहीं आसान।।
डॉं मोनिका शर्मा

दिल फिर से टूटा रने का बहाना

दिल फिर से टूटा रने का बहाना मिल गया। हमें मिली तन्हाई उन्हें तो जमाना मिल गया! रास नहीं आती है खुशियों को खुशी हमारी , इन आंखों को अशकों का खजाना मिल गया !!
रूबी प्रसाद

हम सब आपस में ही लड़ रहे हैं

हम सब आपस में ही लड़ रहे हैं हमें लड़ना चाड़ना वालों से है जिसने इस वायरस को बनाकर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर विश्व विजेता बनने की तरफ अग्रसर है और इसमें वह बहुत हद तक कामयाब भी हो चुका है पूरे हिंदुस्तानी भारत माता की कसम खाइए कि हम चाड़ना का बना हुआ कोई भी सामान नहीं खरीदेंगे।
सुभाष चंद्र सोनी

उपेन्द्र प्रसाद

यदि द्वाइयों का पर्याप्त भंडार है, तो दवा उन देशों में निर्यात करने में कुछ भी गलत नहीं है, जहां इस दवाई की आवश्यकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब मात्रा पर्याप्त थी, तो फिर इस पर प्रतिबंध की क्यों लगाया गया था? तब तो वह निर्णय ही गलत था। और यदि वह निर्णय गलत नहीं था, तो अब उस प्रतिबंध को क्यों हटा दिया गया है और वह भी ट्रंप की धमकी के बाद? जाहिर है मोदी के बारे देश में गलत संदेश जा रहा है कि वे अमेरिकी दबाव में झुक गए है।



राजेश माहेश्वरी

अभी तो कहा जा रहा है कि सामुदायिक संक्रमण की शुरुआत नहीं हुई है, लेकिन जमात किस हकीकत की ओर इशारा कर रही है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि जमात के लोगों ने कई राज्यों के गणित बिगाड़ दिए हैं। यदि इसी आधार पर गंगाले सामुदायिक संक्रमण के तीसरे चरण तक पहुंच गए, तो देश के हालात क्या होंगे? भारत के पास अमरीका, इटली, स्पेन, ब्रिटेन सरीखे संसाधन भी नहीं है। हम बुनियादी तौर पर एक गरीब देश है, जब करीब 30 करोड़ लोग आज भी गरीबी रेखा के तले जीने को मजबूर हैं। सिर्फ एक जमात के कारण देश को तक पर नहीं रखा जा सकता, लिहाज सरकार को कोई कठोर निर्णय लेना ही होगा। हमारे देश के आम लोगों को दुनिया के दूसरे देशों के कोरोना वायरस के खौफनाक नज्द को देखते हुए गंभीरता से लेते हुए समय रहते ही सावधानियां बतल लेनी चाहिए। अगर यह जवागामी हमारे देश में बेकाबू हो जाती है, तो यह 1918 का इतिवास दोहरा सकती है।

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के निर्यात पर ट्रंप की धमकी

नरेन्द्र मोदी को दबाव में झुकना नहीं चाहिए था

दुनिया कोविड-19 वायरस के संकट के दौर से गुजर रही है। इस संकट से दुनिया को बचाने के लिए यह आवश्यक है कि पूरी दुनिया मिलकर इसका सामना करे। इस बीमारी की अभी तक कोई दवा नहीं बनी है और यह कारण है कि जिसके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता अधिक है, वह ही इससे बच पाता है। कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग इसके शिकार हो रहे हैं। इसके लिए अभी दवा बनी ही नहीं है, लेकिन हमारे देश के ही जयपुर के कुछ डॉक्टरों से सबसे पहले यह पाया कि मलेरिया की दवा इसमें काम कर जाती है। यानी मलेरिया की दवा इस बीमारी में राहत देने में कुछ सफल होती दिख रही थी। एक इटालियन दंपति को इस दवाई के द्वारा जयपुर के डॉक्टर बचाने में सफल हुए। तब भारत सरकार ने आदेश जारी किया कि इस दवा का उत्पादन तेज किया जाय। दुनिया में मलेरियाग्रस्त सबसे बड़ा देश भारत ही है। दुनिया के अनेक हिस्से इस बीमारी से मुक्त हो चुके हैं, लेकिन भारत में अभी भी यह बीमारी है और इसके कारण मलेरिया की दवा का उत्पादन भी भारी पैमाने पर होता रहा है। यही कारण है कि हमारे यहां इसके उत्पादन की फैसिलिटी भी बड़े पैमाने पर है। लिहाजा इसका उत्पादन तेज किया गया, ताकि कोविड वायरस के पीड़ितों के इलाज में इस दवाई की कमी नहीं हो पाय।

इस दवा का बड़ा भंडार करने के लिए सरकार ने मार्च के अंतिम सप्ताह में इसके निर्यात पर रोक लगा दी। उस रोक से ही संतोष नहीं हुआ, तो 4 अप्रैल को एक आदेश जारी कर सेज यानी विशेष आर्थिक क्षेत्र से भी इसके निर्यात पर रोक लगा दी गई। गैरतलब हो कि सेज से किंग गए निर्यात को तकनीकी तौर पर निर्यात नहीं माना जाता है।

उस क्षेत्र का निर्माण ही इसीलिए किया गया है, ताकि वहां से दूसरे देशों के माल बिना किसी कस्टम ड्यूटी के लाए जाएं और बिना किसी निर्यात टैक्स के विदेशों में बेच दिए जाएं। एक खास प्रतिशत देशी बाजार के और त्रस्त सबसे बड़ा देश है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वहां साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों को यह बीमारी लग चुकी है, जो दुनिया के कुल संक्रमितों की एक चौथाई से भी ज्यादा है। वहां 10 हजार से ज्यादा लोग

लिए भी उसमे उत्पादन होता है। इस नियम के बावजूद सरकार ने फैसला किया कि सेज में उत्पादित होने वाली मलेरिया की दवा को दूसरे देशों में नहीं बेचा जाएगा। यह निर्णय 4 अप्रैल को किया गया।

जयपुर के डॉक्टरों को पता चल गया था कि मलेरिया की हाइड्रोक्सीक्लोक्रिन से कोविड मरीजों को राहत पहुंचाई जा सकती है और उधर यही अमेरिका के डॉक्टरों ने वहां के राष्ट्रपति ट्रंप को बताया। ट्रंप ने घोषणा कर दी कि मलेरिया की दवाई से न केवल कोविड-19 का इलाज हो सकता है, बल्कि इसके इस्तेमाल से इस रोग से बचा भी जा सकता है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि वे खुद भी इस दवाई को खाएंगे, जबकि उन्हें अभी तक यह वायरस नहीं लगा है।

अमेरिका आज उस वायरस से ग्रस्त

और त्रस्त सबसे बड़ा देश है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वहां साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों को यह बीमारी लग चुकी है, जो दुनिया के कुल संक्रमितों की एक चौथाई से भी ज्यादा है। वहां 10 हजार से ज्यादा लोग गुंजायश हो। जहां तक उत्पादन की बात है, तो इस दबाव के लिए इनपुट भारी मात्रा में चीन से आयात किया जाता है और इसी वायरस के कारण चीन के साथ भारत का व्यापार भी बाधित है। इसके कारण नये उत्पादन में भी बाधा आ रही होगी। शायद यही कारण है कि भारत ने इस दवा के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिकी अपील पर भारत कोई फैसला करता, उसके पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को धमकी दे डाली और कहा कि यदि उसने मलेरिया की उस दवा को अमेरिका को निर्यात नहीं किया, तो वह भारत के खिलाफ बदले की कार्रवाई करेगे। यह धमकी बिल्कुल ही गलत थी। कोई भी स्वाभिमानी देश इस धमकी को अपनी संप्रभुता पर अतिक्रमण मानेगा। इसलिए इस धमकी के आगे मोदीजी को नहीं झुकना चाहिए था।

पर दुर्भाग्यवश इस अमेरिकी धमकी के कुछ घंटों के अंदर ही भारत ने इस दवा के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध को ढीला कर दिया और नीतिगत फैसले में यह कहा गया कि अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस दवा का निर्यात भारत कर सकता है। अब सरकार के लोग कह रहे हैं कि हमारे पास इस दवा के पर्याप्त भंडार हैं और आने वाले दिनों में भारत में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को इस दवाई की कमी नहीं होने दी जाएगी।**(संवाद)**

कोरोना के खिलाफ लड़ाई कुंद करने पर आमादा चंद सिरफिरे

आज केवल हमारा देश ही नहीं बल्कि दुनिया के अधिकतर मुक्त कोरोना वायरस के चंगुल में फंसे हैं। दुनिया के तमाम शक्तिशाली देशों की हालत इस वायरस ने खराब कर रखी है। भारत सरकार ने बड़े योजनाबद्ध तरीके से इस वायरस को नियंत्रित कर रखा है। वो अलग बात है कि देश में संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ रहा है। लेकिन देश की आबादी के हिसाब से अभी भी स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में ही कही जाएगी। अभी तक सब कुछ ठीकठाक ही चल रहा था लेकिन दिल्ली में तबलीगी जमात ने माहौल खराब करने का बड़ा गुनाह किया। तबलीगी जमात के लोगों ने देश भर में कोरोना वायरस फैलाने का काम किया है। ये खुला तथ्य है।

तबलीगी जमात का यह कृत्य अपराध की श्रेणी में आता है। लेकिन उससे भी बड़ा कुकृत्य जमात के लोगों ने उनका उपचार कर रहे चिकित्सकर्मियों के साथ बदतमीजी करके किया है। चिकित्सा कर्मियों के अलावा पुलिस वालों पर भी जमात के लोगों ने थूका है। ऐसे में हालात कैसे काबू में आएंगे ये बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। करीब 130 करोड़ की आबादी वाले देश में ऐसी लापरवाहियां बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। फिलहाल 17 राज्यों के ही आंकड़े उपलब्ध हैं, जिनमें साफ है कि तबलीगी जमात ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर किया है।

इसके अलावा स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस कर्मियों की घटनाएं भी सामने आयी हैं। जिन स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला किया गया वो तो जांच के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा भेजे गए थे। इंदौर में एक बीड़ ने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों पर थूका ही नहीं, गालियां ही नहीं दीं, बल्कि उन्हें मारने-पीटने को भी दौड़ी थी। गांजियाबाद के अस्पताल में क्वारंटीन को रखे गए कुछ गुंडों ने नर्सों के साथ अश्लील, अभद्र व्यवहार किया था। बीड़ी-सिंगरेट की मांग की थी। कपड़े उतारने की शर्मनाक हरकत पर उतर आए थे। यूपी के बस्ती जिले के अस्पताल में कोरोना संक्रमितों ने बिरयानी और अंडों की मांग की थी। वाराणसी में भी जमात से जुड़े

लोगों ने अमर्यादित व्यवहार किया। अलीगढ़ और बरेली में पुलिस पर ही हमला कर दिया गया। केरल के कोच्चि अस्पताल में जमातियों ने वार्ड में गंदगी ही फैला दी। एक अस्पताल में जमाती क्वारंटीन को तैयार जरूर हुए, लेकिन सामूहिक नमाज पढ़ने पर आमादा हो गए। ऐसे हुड़दंगियों और अराजक तत्त्वों पर रासुका के तहत कार्रवाई की गई है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि देश के लिए कोरोना महामारी



का यह संकटकाल है, क्या उसके दौरान भी ऐसे लोग अपनी कट्टरपंथी सोच पर अड़े रहेंगे और देशव्यापी अभियान को ध्वस्त करने की कोशिशें करते रहेंगे?

जमात से जुड़े अधिकतर लोगों को मानना है कि कोरोना हिंदुओं और यहूदियों का ही विनाश करेगा। डाक्टर और नर्स जांच करने नहीं, उन्हें कोरोना का इंजेक्शन देने आते हैं ,ताकि उन्हें संक्रमण हो सके और वे मर जाएं। आश्चर्य है कि इन तमाम अभद्र, अर्नेतिक, असभ्य और देश-विरोधी हरकतों के पीछे एक ही समुदाय के चेहरे सामने क्यों आए हैं? क्या वे कोरोना वायरस के खिलाफ देश की लड़ाई को कुंद करने पर आमादा हैं? इसे दिखे मरकज की तबलीगी जमात के संदर्भ में समझने की कोशिश करें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीते शनिवार को ब्रीफ किया था कि जमातियों और उनके संपर्क में आने वाले करीब 22,000 लोगों को क्वारंटीन में भेजा गया है। उनमें से कितने संक्रमित हैं, अभी

यह आंकड़ा सार्वजनिक होना है। फिलकत देश में संक्रमितों की जो संख्या 4000 के पार जा चुकी है, उनमें से 30-35 फीसदी मामले एक ही जमात से आ रहे हैं। क्या यह खतरनाक संकेत नहीं है? भारत ने अभी तक जो भी टेस्ट किए हैं, उनके अनुपात में कोरोना मरीजों की संख्या बेहद सीमित रही है। यदि ऐसी ही हरकतें सामने आती रहें, तो हम शून्य पर पहुंच सकते हैं।

इस आपदा के समय शासन, प्रशासन और समाज के बीच अच्छा समन्वय भी देखा जा रहा है। किसी महामारी से लड़ने में ये सब काफी सहायक होता है किन्तु सबसे बड़ी बात है लोक डाउन का कड़ाई से पालन होना। जरूरी सामान खरीदने के लिए दिए गये समय और छूट के दौरान जिस तरह की अव्यवस्था अनेक जगहों पर देखी जा रही है वह नुकसानदायक हो सकती है क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति अनगिनत लोगों को कोरोना के जाल में फसाने की ताकत रखता है। कोरोना के बारे में लापरवाह रवैये का जो नुबसान इटली, स्पेन और अमेरिका को उठना पड़ा उससे सबक लेते हुए भारत को अगले चरण में और ज्यादा सावधानी की जरूरत है। इस समय पूरा देश कोरोना मरीजों से भरा हुआ है। तबलीगी जमात से निकले लोगों ने इस वायरस को देश भर में फैला दिया है। उनके अलावा भी काफी संख्या ऐसे लोगों की है जो संदिग्ध होने के बाद प्रशासन को चकमा देकर गायब हो गए।

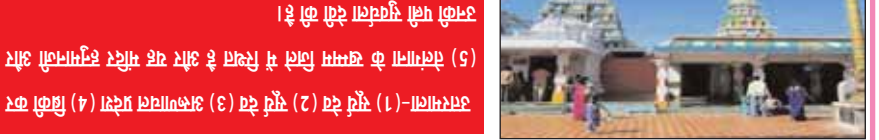
निः संदेह आज देश के डाक्टर, पुलिस व प्रशासन अपने-अपने मोर्चे पर एक सशक्त सेना के रूप में कोरोना से जंग बड़ी वीरता के साथ लड़ रहे हैं, परंतु मौलाना की मरकज ने प्रशासन की बात को हल्के से लेकर तबलीगी जमात को मौत के मुंह में उडेलने के साथ इस जंग को तगड़ा इटका दिया है। इस देशदोही जमात के तार कश्मीर से कन्याकुमारी तक जुड़े हुए हैं, जिसे ढूढ़ने को हमारे योद्धाओं के ऊपर एक और जिम्मेदारी आ पड़ी है। नवरात्रों के बावजूद मंदिर, गुरुद्वारे, व्यापार व देश बंद रहा, परंतु मौलाना ने मरकज के बहाने सैकड़ों जमाती इकट्ठा कर ऐसा जघन्य अपराध किसके इशारे पर किया ?

QUIZ TIME

- हनुमानजी के गुरु का नाम क्या है?
- सुवर्चला किसका पुत्री है?
- भारत का सबसे लम्बा 300 मी.
- राज्य सरकार के लिए राजस्व का सर्वोत्तम साधन क्या है?
- यह मंदिर कहाँ स्थित है और इसकी विशेषता क्या है?

सिंगल लेन स्टील केबल सरस्पेशन ब्रिज

कहाँ बनाया गया?



आज का इतिहास

नई दिल्ली। 9 अप्रैल का इतिहास- 1669- मुगल बादशाह औरंगजेब ने सभी हिन्दू स्कूलों और मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया। 1756- बंगाल के नवाब अली वर्दी खान का 80 वर्ष की आयु में निधन। 1860 पहली बार मनुष्य की आवाज का अंकन किया गया। 1953- वार्नर ब्रदर्स ने 'हाउस ऑफ वैक्स' शीर्षक से पहली 3 डी फ़िल्म प्रदर्शित की। 1965 कच्छ के रन में भारत पाक में युद्ध छिड़ा 1972- सोवियत संघ और इराक ने मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए। 1988- अमेरिका ने पनामा पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये। 1989 एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजंय जलविद्युत परियोजना शुरु की गयी। 2002- बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को हिस्सा लेने की अनुमति मिली।



रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रदेश में 7 अप्रैल की स्थिति में 11 हजार 285 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के जरिए 40 लाख 39 हजार 088 राशन कार्डधारकों को अप्रैल और मई माह का खाद्यान्न वितरित किया जा चुका है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य के 10 हजार 720 राशन दुकानों में दो माह का और 12 हजार 273 दुकानों में एक माह का खाद्यान्न बाँटारण किया जा चुका है। प्रदेश में औद्योगिक, प्राथमिकता, एकल निराश्रित, अन्नपूर्णा एवं निःशर्कजन श्रेणी के राशन कार्डों की संख्या 56 लाख 56 हजार 346 और सामान्य (एपीएल) राशन कार्डों की संख्या 8 लाख 82 हजार 838 है। प्रदेश में शासकीय उचित मूल्य दुकानों की संख्या 12 हजार 308 है।

कल्याण निहारिका बारिक सिंह, सचिव श्रम विभाग सोनमणियाँ
चौरा, सचिव वित्त विभाग सहला
निगार, सचिव खाद्य डी
कमलप्रीत सिंह, सचिव महिला
एवं बाल विकास सिद्धार्थ कोमल
परेदेशी, सचिव समाज कल्याण
आर. प्रसन्न, सचिव नगरीय
प्रशासन अलमेलमंगई डी औरी
हिमांशु गुप्ता अतिरिक्त पुलिस
महानिदेशक पुलिस मुख्यालय
छत्तीसगढ़ को सदस्य बनाया गया
है।

रायपुर। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का सप्ताह दौरा कर लोगों को कोरोनो बीमारी से बचने के लिए जागरूक किया। उन्होंने उर्दू, पाउमरा, जजर्गीरा, अंज, विनायकपुर, आमटी, निकुम, खाड़ा, अंजोरा गांव के लोगों के बीच जा कर उर्दू बताया कि कोरोना बीमारी पूरे विश्व में महामारी का रूप ले चुका है। इस बीमारी से बचने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा अनेक

उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से सचेत करने के लिए कहा कि लोगों से मिलने से बचें। घरों पर ही किए जाने वाले स्वयं तथा ग्रामीणों के बीच रखने, नपाता कपड़े से कम से कम तथा बात-चीत

उपाय किए जा रहे हैं। साहू ने लोगों को कोरोना बीमारी से सचेत करते हुए कहा कि आप लोग बाहरी व्यक्तियों से मिलने से बचें और ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने घरों पर ही बिताएं। उन्होंने गांवों के प्रमुख जनों से स्वयं तथा ग्रामीणों को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने, लगातार साबुन से हाथ धोते रहने, आपस में कम से कम एक मीटर की दूरी बनाकर उठने-बैठने तथा बात-चीत करने की सलाह दी।

रायपुर। पर्यावरण प्रदूषण के चलते पशु पक्षी एवं मौसमी रंग बिरंगी तितलियां शहर के परिदृश्य से पिछले कुछ वर्षों से गायब हो चुकी थीं। कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागथे गए लकडाउन का असर शहर में अब दिखना शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से लकडाउन के कारण बंद कारखानों का कामकाज कर रहा है। जिसके चलते पर्यावरण

चहचहाने में देखा जा सकता है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कटोरा तालाब स्थित मरीन ड्राइव के बगीचे में रंग बिरंगी तिलियाँ उड़ते हुए देखी जा रही हैं। प्रकृति का अद्भुत नाजारा सालोंसाल पहले ऐसा लगता है फिर से वापस आ गया है। प्रदूषण से मुक्ति एवं प्रकृति का उपहार जलचरों के साथ ही पृथ्वी पर उड़ने वाले पक्षियों एवं अन्य पशुओं में देखा जा सकता है। शहर में घूमने वाली गाय हो या फिर निचरान करने वाले कुत्ते सभी के चेहरे पर तनाव का नहीं झलकान नये युग की शुरुआत जैसा लगता है।

रायपुर। कोरोना वायरस की रोकथाम के हेतु राज्य की विभिन्न जेलों से अब तक कुल 1 हजार 478 कैदियों को छोड़ा जा चुका है। जिनमें से 427 कैदियों को तीन माह के कम अवधि की अंतरिम जमानत पर, 742 कैदियों को तीन माह से अधिक की अंतरिम जमानत पर, 262 कैदियों को पैरोल पर और 46 कैदियों को सजा पूरी करने पर विभिन्न जेलों से रिहा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु जेलों में कैदियों की संख्या कम करने का निर्णय लिया गया था। जिससे जेलों में बंद कैदियों में कोरोना वायरस का खतरा कम किया जा सके। इसी क्रम में 7 अप्रैल तक इन जेलों को कुछ शर्तों के अधीन अंतरिम जमानत और पैरोल पर छोड़ा गया है।

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संकेत पर कोरोना वायरस (कोविड-19) निरीक्षण के कारण अन्य राज्यों में जैसे पुणे (महाराष्ट्र), कानपुर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना) एवं अन्य प्रदेशों में फंसे हुए श्रमिकों को सहायता हेतु राज्य सरकार हेल्प लाइन, जिला हेल्प लाइन एवं जिला प्रशासन के माध्यम से जानकारी जिला प्रशासन बेमेतरा को प्राप्त हुई है। लाँकडाउन होने के कारण अपने गृहगांव आने में असमर्थ एवं बंद की स्थिति में रहनेवाले पीने की व्यवस्था नहीं होने के कारण अब तक श्रमिकों के लिए कुल 10 लाख 94 हजार 600 रूपए सहयोग राशि प्रदान की जा चुकी है।

बेमेलरा जिले के 2172 श्रमिकों की सहायता के लिए उनके खातों में एन.ई.एफटी. के माध्यम से 31 मार्च 2020 से 6 अप्रैल तक सहायता राशि 6 लाख 57 हजार 600 रूपए की सहायता

राशि जिला प्रशासन की ओर से प्रदाय की गई है। विभिन्न दान-दाताओं के माध्यम से एकत्रित की गई सहयोग राशि को जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रदान की जा रहा है।

जिले के कलेक्टर द्वारा विभिन्न राज्यों में फसे हुए श्रमिकों के वर्तमान स्थिति का आकलन कर द्वितीय किशत राजा किशत के अन्तर्गत श्रम विभाग को दिए गए हैं। आज 7 अप्रैल को कलेक्टर की अनुमति के आधार पर पूर्व में भेजे गए श्रमिकों के द्वितीय किशत के रूप में 1488 श्रमिकों के लिए 4 लाख 37 हजार रूपए की राशि जारी की गई। इस प्रकार अब तक कुल 10 लाख 94 हजार 600 रूपए सहयोग राशि प्रदान की जा चुकी है।

इस संबंध में विभिन्न श्रमिकों द्वारा छत्तीसगढ़ के दान दाताओं का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही श्रमिकों के उनके दैनिक जीवन-यापन हेतु इस परिस्थितियों में जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई राशि से राहत मिली है।

A group of approximately 12 people, including men and women, are posed for a photograph in front of a building. Most of the individuals are wearing face masks. The women are dressed in traditional Indian clothing, such as sarees and salwar kameez. A banner with text in Hindi is visible in the background, partially obscured by the group. The scene appears to be an outdoor gathering or event.

**जम्मू-कश्मीर में छा के
मजदूरों को सूखा राशन
उपलब्ध कराने के लिए
किया निवेदन**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रमुख अजीत पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर में प्रदेश में रहे रहें प्रदेश के मजदूरों को पर्याप्त मात्रा में सूखा राशन उपलब्ध कराने के लिए निवेदन किया है। श्री जोगी ने अपने पत्र के जरिए श्री मोदी को अवगत कराया है कि छत्तीसगढ़ के लगभग 50 हजार से अधिक मजदूर कई दशकों से जम्मू-

पहल जिला ए

आशाएं संरक्ष

रायपुर। कोरोना वायरस दुनियाभर के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है। जिसके चलते 21 दिनों का बंद किया गया है। जिसके बाद उपजी समस्याओं को देखते हुए प्रदेश में अलग-अलग समाज सेवा संस्थाओं द्वारा जरूरतमंदों को जरूरत की सामग्री व राशन वितरण का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले 10 दिनों से आशाएं संस्था द्वारा उरला-सिलतरा इंडस्ट्रियल एरिया में लगातार भोजन व खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। जिसका जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा खूब सराहना की गई है।

आपको बता दें कि कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के दौरान आशाएं समाजसेवी संस्था द्वारा जरूरतमंद लोगों को भोजन व राशन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक संस्था द्वारा 5500 लोगों को राशन वितरण किया जा चुका है। इस दौरान आशाएं समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष यश टुटेजा, उमर देबर,

हनुमान जन्मोत्सव पर घर-घर हुई पूजा

रायपुर। प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी चैत्र पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बजरंग बली का जन्मोत्सव राजधानी सहित प्रदेश भर में धूमधाम से श्रद्धालुओं द्वारा घरों में मनाया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि विश्व व्यापी कोरोना बीमारी के संक्रामक के असर को कमजोर करने के लिए पूरे प्रदेश में इन दिनों लाकडाउन है। जिसके चलते मंदिरों के कपाट भी बंद हैं। बृद्धागार स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी ने आजमनों से घरों में रहकर ही हनुमान चालीसा बजरंग बाण सुंदरकांड आदि का पठन कर मारुति नंदन का पूजन करने की अपील की है। यह प्रदेश में पहली बार हुआ है जब हनुमान जन्मोत्सव मंदिरों में न मनाकर भक्तों द्वारा घरों में मनाया जा रहा है। घर घर श्रद्धालुओं द्वारा अंजनी कुमार का पूजन चने गुड़, बुंदी का लड्डू आदि का भांग चढ़ाकर विधिवत किया जा रहा है। वहीं प्रदेश के अनेक स्वयंसेवी संगठनों एवं राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने भी केसरी नंदन से कोरोना जैसी महामारी से शीघ्र मुक्ति की कामना करते हुए छत्तीसगढ़ को कोरोना मुक्त करने की कामना की है।

A group of approximately 15 people, including police officers in khaki uniforms and staff in white t-shirts, are standing in a line in front of a yellow police station building. The building has a large sign that reads 'पुलिस थाना' (Police Station) in Hindi, with 'Chhinar' written below it. The sign also includes the text 'समय' (Time) and 'सं. 100' (No. 100). The group is standing on a paved area, and the building has a red and white striped awning over the entrance.

सेनेटार्डजर, कपड़े, साबुन एवं जरूरतमंदों के हिसाब से अन्य वस्तुएं भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आपको बता दें कि संस्था द्वारा खाना व राशन वितरण का कार्य पिछले 29 मार्च से निर्विघ्न रूप से किया जा रहा है। दस दिनों में कुल 5450 पैकेट भोजन एवं जरूरतमंद 400 परिवार को 15 दिनों की राशन सामाग्रियों का

वितरण किया गया है। संस्था द्वारा किये जा रहे इस कार्य का जिल प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा खूब सराहना की जा रही है। समाजसेवी संस्था आशाएं की टीम में लगभग 150-200 युवा सदस्य पूरी तत्परता के साथ कार्य में लगे हुए हैं।

**मंगलवार को 1.47 लाख
गरीब, मजदूर एवं निराश्रित
हुए लाभान्वित**

2.35 लाख लोगों को दिया गया निःशुल्क मास्क और सेनेटाईजर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना महामारी के नियंत्रण के लिए समूचे प्रदेश एकरा देश में किए गए लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों को किस्म की भी तरह से भोजन एवं राशन का समस्या नहीं हो इसके लिए बं पैसेन पर व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन पर प्रदेश के सभी जिलों में गरीबों, मददूरों और निराश्रित लोगों को निःशुल्क भोजन के साथ ही निःशुल्क राशन

वितरण किया जा रहा है। इसके लिए राज्य भर में जगह-जगह राहत शिविर लगाए गए हैं। छत्तीसगढ़ में विगत 7 अप्रैल को एक लाख 47 हजार 643 जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों की निःशुल्क भोजन व राशन उपलब्ध कराया गया। इन्में 42 हजार 572 लोगों को भोजन, 64 हजार 394 लोगों को राशन वितरण और 40 हजार 677 लोगों को स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा भोजन एवं खाद्यान्न वितरण शामिल है। कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए मास्क, सेनेटाइजर एवं दैनिक जरूरत का सामान भी जिला प्रशासन, रेस्कॉर्स तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से जरूरतमंदों को मुहैया कराया जा रहा है। स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से दो लाख 35 हजार 499 मास्क एवं सेनेटाइजर, साबुन आदि का

वितरण जस्तुतमंदों को किया गया है। उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण की वजह से लॉकडाउन के कारण जिलों में प्रशासन द्वारा समाजसेवी संस्थाओं एवं दाताओं के सहयोग से शुरू किए गए रहत शिविरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में अब तक 13 लाख 2 हजार 337 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं खाद्यन्न सामग्री उपलब्ध करायी गई है। स्वयंसेवक संस्थाओं के सहयोग से कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए 19 लाख 33 हजार 66 मास्क, सेनेटाईजर एवं अन्य सामग्री की निःशुल्क वितरण जन सामान्य को किया गया है। प्रदेश में विगत अप्रैल मंगलवार को जिले प्रशासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से दुर्ग जिले में सर्वाधिक एक लाख 855 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन प्रदाय किया जा रहा है।

■ न्यूज गैलरी

अज्ञात मुक बधिर बालिका मिली

सूरजपुर। बाल कल्याण समिति सूरजपुर के समक्ष चाईल्ड लाईनओडगी द्वारा एक 12 वर्षीय बालिका को प्रस्तुत किया गया। बालिका नगर पंचायत भटगांव में भटकते हुए पाई गई है। बालिका कुछ बोल एवं सुन नहीं पाती है साथ ही उसे देखने में भी कुछ परेशानी होती है। बालिका गुलाबी रंग की अम्ब्रेला प्रक पहनी हुई है तथा उसका दुपट्टा आसमानी रंग का एवं निचेस्लेटी रंग का लोवर पहने हुई है। बालिका 04 अप्रैल 2020 को प्राप्त हुई है। बालिका का बाल छोटा-छोटा कटा हुआ है माथे में चोंट के कट का निशान है तथा वह सांवली रंग की है। बालिका अपने संग दो जोड़ी कपड़ा पहने हुए है। इस बालिका कोई भी व्यक्ति पहचानते हैं तो वह कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग केतका रोड मानपुर में उक्त मोबाईल नं0 9009382323 पर संपर्क कर सकते है। जिससे की बालिका को उसके घरवालों से मिलाया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी ने मनाया 40वां स्थापना दिवस



मुंगेली। 6 अप्रैल 2020 को भारतीय जनता पार्टी का 40वाँ स्थापना दिवस है। भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा नेता प्रेम आर्य ने भाजपा की नींव रखने वाले क्षेत्र के सभी वरिष्ठ जनो को याद कर उनके द्वारा पार्टी के योगदान को साझा किया। प्रेम आर्य आज स्थापना दिवस पर बताया कि जिन्होंने पार्टी में अनुशासित रहकर मजबूती के लिए और जन संघ के समय भरे मार्गदर्शक मण्डल ने चना पट्टेना और गुड़ खाकर भी संगठन के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करके पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाया। प्रमुख रूप से स्व. निरंजन प्रसाद केशरवानी, स्व. पूलचंद जैन, स्व.मनहरनलाल पाण्डे, स्व. अभयराम साव, स्व. पोशागीलाल राजपूत, स्व.मानुप्रताप तिवारी, स्व. लक्ष्मण दास रोहरा, स्व.डॉ.केशव मिश्रा, स्व. रामानुज श्रीवास्तव, स्व. त्रिभुवन श्रीवास्तव, स्व. तुलाराम स्वर्णकार स्व. नन्हूलाल सोनी, स्व. ललितान प्रसाद शुक्ला, स्व.मुनीराम करुण्य, स्व. जवाहर सिंह, स्व. चद्रगुप्त सिंह, स्व. भुवन सिंह राजपूत, स्व.श्री शंकर केसवानी, स्व. श्री प्रेमसिंह ध्वन, स्व. भोलासिंह ध्वन, स्व. दिलीप खरे, स्व. गंभीरदास पात्रे, स्व शंकरलाल जायसवाल, स्व. अनिल गुप्ता, डॉ.भानु गुप्ता, प्रेमसिंह बघेल, शिवकुमार पाठक, मुरली पाण्डेय, सत्याजी की सिंह परिहार,परसराम मंगलानी, लुकराम वेंताल,डॉ. प्रेमकुमार वर्मा, जैसे सैकड़ो दिग्गजो के प्रति हम आभार व्यक्त करना किया।

बचपन स्कूल द्वारा कोरोना आपदा के सहायता 22 हजार

मुंगेली। कोरोना वायरस के आपदा के समय सहायता हेतु बचपन स्कूल ने 22 हजार रू. का योगदान दिया है। जिसमें स्कूल के संचालक रजनीश उपाध्याय ने 11 हजार रू. व स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आपस में एकत्र कर 11 हजार रू.देने का अनुकरणीय कार्य किया है। इस 22 हजार रू. में से 11 हजार रू. की राशि आपदा सहायता कोष में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे को दिया गया वहीं मुंगेली के समाजिक हितो के प्रति समर्पित संस्था प्रयास अ स्माल स्टेप फाउंडेशन को 11 हजार रू. की राशि निर्धन व श्रमिक वर्ग के परिवारों के लिए सहायता हेतु दिया है। प्रयास अ स्माल स्टेप फाउंडेशन के सदस्य गरीब, निर्धन, श्रमिक, शिकारी बस्ती में जाकर 50 परिवारों को भोजन उपलब्ध करा रहे है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे व प्रयास अ स्माल स्टेप फाउंडेशन के सदस्यों ने बचपन स्कूल के संचालक रजनीश उपाध्याय व शिक्षक-शिक्षिकाओं के योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मुंगेली जिले में घर-घर जाकर उपलब्ध कराया जा रहा है रेडी टू ईट फूड

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला टण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे के दिशानिर्देश पर नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव हेतु जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 84 हजार 31 हिताग्रहियों के घर घर जाकर रेडी-टू-ईट पोषण आहार का वितरण किया जा रहा है। इसी तरह लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा 2 हजार 18 एनीमिया पीडित महिलाओं को उनके घर जाकर सूखा राशन का भी वितरण किया जा रहा है। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा हिताग्रहियों के परिवार के सभी सदस्यों को अपने घरों में रहने, कोरोना वायरस से बचने, सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने, एवं हाथों को साबुन से बार बार धोने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र करुण्य ने बताया कि वर्तमान परिस्थिति में पूरा देश नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से लड़ रहा है। इस परिस्थिति में मुंगेली जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहशिक्षिकाओं और महिला स्वसहायता समूहों द्वारा 84 हजार 31 बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को उनके घर जाकर स्वास्थ्यप्रद रेडी-टू-ईट फूड का वितरण किया जा रहा है।

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। कोविड 19 के चलते लोग जहां घरों से नहीं निकल पा रहे है जिसके चलते अपने समय का सदुपयोग करते अपने परिवार को पुरा समय दे रहे है, वहीं पुरानी परंपराएं भी तरोताजा होते जा रही है, लोग अपना ज्यादातर समय पतंग बाजी, कैरम, शतरंज, ताश,लुडो अंताक्षरी जैसे खेलो को परिवार सहित खेल रहे है, जिससे पुनः पारिवारिक माहौल नजर आने लगा है ।

कम्प्यूटर युग के इस आपाधापी में जहां लोग अपने परिवार से दूर होते जा रहे थे, वहीं कोरोना के इस महाबंद ने लोगों को अपने पुराने दिनों की याद ताजा करा

50 बिस्तरों का सर्व सुविधायुक्त आइसोलेशन सेंटर बनेगा कंचनपुर में : अम्बिका सिंहदेव

■ सीएमएचओ के साथ किया खाली भवन का निरीक्षण, शीघ्र प्रारंभ करने कलेक्टर को लिखा पत्र

बैकुंठपुर। कोरिया जिले में कोविड 19 करोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए वेंटीलेटर व आइसोलेशन सेंटर ना होने पर बैकुंठपुर विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने इसके लिए कलेक्टर कोरिया को पत्र भी लिखा है, साथ ही जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ उन्होंने आइसोलेशन वार्ड व सेंटर बनाए जाने के लिए खाली पड़े कंचनपुर में भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी



दी है। इस वैश्विक महामारी ने जहां जनजीवन को पूरी तरह रोक दिया है, वहीं अपने परिवार से साथ व्यापारी वर्ग सहित अन्य कार्यों में लगे लोगों को भी समय बिताने का अच्छा मौका दे दिया है।

घरों में रहने को मजबूर हुए लोग

लॉकडाउन की घोषणा के बाद कुछ



कार्यालय के समीप स्थित शासकीय महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केंद्र व हॉस्टल में आइसोलेशन सेंटर बनाने का निर्देश उन्होंने दिया है। यहां 50 बिस्तरों का वातानुकूलित व सर्व सुविधा युक्त वार्ड बनाया जाएगा।

विदित है की मंगलवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी पीएल पुनिया व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

ने अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ प्रदेश के सभी विधायकों से वीडियो कॉन्फ्रेंस कर जिले की स्थिति की जानकारी ली थी। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बताया था कि कोरोना संक्रमण से निपटने के लिये सभी जिलों में 100 बिस्तरों का आइसोलेशन सेंटर बनाये जाने का निर्देश दिया गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान

1 से वार्ड नंबर 21 तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी

महासमुंद्र। नगर के 5 पानी टंकियों में वॉल फिटिंग कार्य के लिए गुरुवार की दोपहर शंकर नगर वार्ड 1 से लेकर वार्ड नंबर 21 तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्रकार ने पेयजल आपूर्ति बाधित के लिए खेद जताते हुए कहा कि महानदी से सीधे पानी सप्लाई टंकियों में की जाती है। नगर के नेहरू चौक, बस स्टैंड, पिंटियाडार, अटल आवास, अंबेडकर स्कूल स्थित पानी टंकियों में लंबे अर्से से वॉल नहीं है। वॉल नहीं होने के



कारण किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी के

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लवन । लवन से लगे 10 किलोमीटर दूर ग्राम मरदा में एक प्रेमी युगल ने अमलीडीह पहुंच मार्ग के किनारे परसा पेड़ में एक साथ फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। ऐसी घटना लवन अंचल में पहली बार हुई है प्रेमी युगल की फंसी होने से लोगों का दिल दहल गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुक्तिका जिनेशवरी साहू उम्र 20 वर्ष ग्राम मरदा निवासी आज प्रातः

4 बजे शौच जाने के लिए घर में बोलकर बाहर निकली थी जो कि देर तक नहीं पहुंचने पर घर वालों ने पता किए सुबह देखा तो मृतक सीताराम केवट उम्र 19 साल साकिन अमलीडीह के साथ फंसी लगाकर लटका हुआ पाया गया। सुबह लवन पुलिस ने दोनों शव का पंचनामा पश्चात पोस्टमार्टम के लिए लवन भेजे देर शाम पोस्टमार्टम के बाद दोनों का अपने अपने ग्राम में

प्रभावित वर्ग को राहत भरी राशन सामग्री वितरित

नवप्रदेश संवाददाता

डोंडी। कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन से प्रभावित वर्ग को राहत पहुंचाने के लिए डोंडी नगर पंचायत में अध्यक्ष ,,उपाध्यक्ष सहित वार्ड पार्षदों द्वारा स्वयं अपनी जिमेदारी समझ वार्ड

वासियों को राहत सामग्री वितरण का काम समूचे नगर के साथ ही अन्य इलाकों में लगातार जारी है। नगर के वार्ड ,व अन्य इलाकों में सामाजिक व राजनीतिक दलों ने सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री वितरित की असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को जिन्हें अपना जीवन यापन चलाने में मुश्किल हो रही है खासतौर पर



जो रोजी मजदूरी, कर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। ऐसे परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। इसके साथ ही पार्षदों ने सैनिताइजेशन का काम भी शुरू किया है।कोरोना वायरस की ओर से खड़ा किए गए संकट

पारिवारिक खेलों की हुए वापसी

पारिवारिक खेलों की भी वापसी इन दिनों हो गई है, आपाधापी के इस जीवन में जहां लोगों को सिर्फकाम ही नजर आने लगा था, जिसके चलते परिवार के सदस्यों के बीच समयामाव के चलते रिश्तों में बिकराव की स्थिति उत्पन्न होने लगी थी वहीं कोविड 19 ने लोगों को घरों में कैद कर आपसी रिश्तों के तार पुनः जोड़ दिये है, चाहे व्यापारी हो या फिर नौकरीपेशा हर वर्ग आज अपने घर परिवार को समय दे रहा है, और ज्यादातर समय ताश, कैरम, पवीसा, खेल कर अपने पुराने दिनों को याद करने में लगा है।

से निकल रहे है, शाम 5 बजे के बाद से चैक चैराहो पर भी इक्का दुक्का लोग ही नजर आते है।

गांव में जुआ सट्टे की जोर

नगर के कुछ इलाको सहित ग्रामिण अंचलो में इन दिनों जुए का खेल जोरशोर से चल रहा है, ग्रामिण ईलोको में लोग ताश खेलते देखे जा

सकते हैं, एक तरफ जहां प्रशासन ने स्थिति को काबू में करने पुरा जोर लगा दिया है वहीं ऐसे चंद लोगो की वजह से ग्रामिण परिवेश की दुष्टि होने लगा है, मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों नगरीय क्षेत्रों सहित ग्रामिण अंचलो में भी जुए और कच्ची शराब का कारोबार जोरो से चल रहा है।

रामयण और महाभारत ने फिर से की सड़कें सूनी

अपने समय के प्रचलित टी.वी. धारावाहिक के पुनः प्रसारण ने जहां एक तरफलोगो को राहत के पल दिये है, वहीं इन धारावाहिको के प्रसारण के समय सड़कें प्रायः सूनी हो जाती है, बच्चों के पसंदीदा शक्तिमान की वापसी ने बच्चों को भी टी.वी के सामने धिपके रहने पर मजबूर कर दिया है, 60 वर्षीय राम किशुन यादव ने बताया कि आज के समय में आने वाले धारावाहिकों में वो बात नहीं जो रामायण और महाभारत के धारावाहिक में है, इन धारावाहिको को हम अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ बैठ कर देखते है।



मुख्य कार्यपालन अधिकारी देव नारायण करुण्य जिला पंचायत कोण्डगांव ने जानकारी देते कहा कि जिले मे महिला स्व सहायता समूह द्वारा सिलाई का कार्य, साबुन बनाने का कार्य किया जाता है,

उन्हीं समूहों से ही तैयार साबुन व मास्क त्रय कर कार्य में लगे मजदूरों को दिया जा रहा है। जिससे इस कार्य में जुड़ी महिलाओं को रोजगार का अवसर भी मिल रहा है।

पार्षद और मौत का कुआं के मालिक के प्रयास से बाजार की पार्किंग हुई सुव्यवस्थित



सक्ती। नगर के अस्थायी सब्जी बाजार में लगातार पार्किंग को लेकर अव्यवस्था हो रही थी जिसे देखते हुए पार्षद द्वय ईश्वर लोधी और श्रीमती रजनी संजय रामचंद्र के प्रयास और मौत के कुआं के मालिक उमेश गुप्ता के सहयोग से पार्किंग व्यवस्था को बहाल किया गया। उमेश गुप्ता द्वारा पार्किंग स्थल में लोहे का स्टेप प्रदान किया गया ताकि कोई भी वाहन बेतरतीब तरीके से ग्राउंड के अंदर ले जाते थे जिससे कहीं ना कहीं लोगों को परेशानी होती थी लेकिन पार्षदों के प्रयास और उमेश गुप्ता के सहयोग से वाहन पार्किंग सुव्यवस्थित हो गई है। जिसे लेकर नगर के लोगों में काफी हर्ष का माहौल है।

लॉक डाऊन में समर्थन संस्था द्वारा खाद्य सामग्री वितरण

कांकेर। शहर के जवाहर वार्ड में समर्थन सेन्टर फॉर डेवलपमेंट सपोर्ट जो की वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए पूरे देश में सरकार द्वारा 21दिनो के लिए लॉक डाऊन होने के कारण जो मजदूर वर्ग एवं अति गरीब परिवारों जिनको शासन के तरफ से राशन जिसमे चावल दाल नमक तो मिल पा रही है लेकिन इसके अलावा अन्य खाद्य सामग्री जैसे हरी सब्जी , तेल सूखा खाद्यय सामानों को खरीदने के लिए पैसा जुटाने में समर्थ नहीं हो पा रहे है जिससे जीवन यापन करने में कठिनाइयों का समाना करना पड़ रहा है ।

रामलाल पटेल को जिला कांग्रेस की श्रद्धांजली

रायगढ़। ग्राम नन्देली निवासी स्वास्थ्य कर्मचारी लालकुमार पटेल के पिताजी एवं छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र शहीद नन्दकुमार पटेल जी के पारिवारिक सदस्य,सरल सहज धार्मिक व्यक्तित्व,मानस मर्मज्ञ रामायणी रामलाल पटेल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दिलीप पांडेय,जगदीश मेहर,दीपक पांडेय,खुशोराम मल्होत्रा,गोंदर नेगी,जिला अध्यक्ष अरुण मालाकार,अनिल शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिनेश जायसवाल,गोपालदास गुप्ता, सन्तोषराय, जेदूराम मनहर, हरeram तिवारी,कामता पटेल,अरविंद साहू आदि कांग्रेसजनों ने दिवंगत को शोकश्रद्धांजली दी है।

एक ही झटके में खत्म

पर लॉकडाउन हटाने की भी मांग की थी। प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर एक व्यक्ति की जान बचाने की है। देश सख्त फैसले लेने के लिए मजबूर है। इसे भी लॉकडाउन बढ़ाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

भोपाल में कोरोना: अब

ताकि उनके परिवारों को संक्रमण से बचाया जा सके। इधर, लगातार फैलते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कलेक्टर तरुण पिथोड़े और डीआईजी इरशद वली ने भी कोरोना टेस्ट के लिए सैपद लिया। अब तक मिले संक्रमित लोगों में दो मरीज इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हो गई है।

कोरोना की जांच मुफ्त

अनुसंधान परिषद (आईसीएमएअर) ने कोरोना जांच के मद्देनजर निजी प्रयोगशालाओं के लिए जांच के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक एनएबीएल प्रमाणित सभी निजी प्रयोगशालाओं को यह जांच करने की अनुमति दी गई है।

और चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण और उत्पादन की अनुमति दी थी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने भी राज्यों को इन वस्तुओं के ऑर्डर देने से संबंधित प्रावधानों में 30 जून तक रियायत दी है।

जिन पर गर्व था, उन्हें ही

लेकिन उसी दिन देर रात आदेश स्थगित कर दिया गया था। भोपाल में कोरोना संक्रमितों की संख्या का लगातार बढ़ना और इसमें सबसे ज्यादा संक्रमण डॉक्टरों और मेडिकल स्टॉफ में होना डॉ. डेहरिया के ट्रांसफर का कारण माना जा रहा है। अब तक भोपाल में 92 कोरोना पॉजिटिव केस आ चुके हैं, इनमें 40 से ज्यादा स्वास्थ्य विभाग के अफसर-कर्मचारी हैं। 26 मार्च को डॉ. सुधीर डेहरिया की जगह डॉ. सुधीर जैसानी को नया सीएमएचओ बनाया गया था, लेकिन शाम

प्रशंसनीय बताया। जबलपुर जिले में पदस्थ कोटवार से भी मुख्यमंत्री ने बातचीत की। उन्होंने कहा कि जागरूकता लाने में आप लोगों का योगदान उल्लेखनीय है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने प्रदेश

आठ दिन पहले भी डेहरिया का ट्रांसफर किया गया था। लेकिन, उसी दिन देर रात आदेश स्थगित कर दिया गया था। भ्रष्ट ने कहा कि श्रमिकों की कमी के चलते विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में कमी की रिपोर्ट आ रही हैं। ऐसी स्थिति में जमाखोरी, कालाबाजारी, मुनाफाखोरी की आशंका है जिससे वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। राज्यों से कहा गया है कि वे उचित दर की दुकानों पर वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इससे पहले राजस्व निरीक्षक श्री सुबोध से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उनकी निष्ठ को

प्रथम पृष्ठ का शेष

न उरना है, न रुकना है

ने इस बात के लिए तहसीलदार की सराहना की कि उन्होंने न केवल कोरोना से निपटने के लिए अहम कदम उठाए बल्कि अपने वेतन से भी इसके लिए राशि दान की। चौहान ने एक अन्य राजस्व अधिकारी श्री जमील खान से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उज्जैन की राजस्व निरीक्षक सुश्री भूमिका जैन से भी चर्चा की और वहां की स्थिति तथा कोरोना से संघर्ष के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ल?ई लम्बी है, परन्तु हमें जुटे रहना है। सुश्री भूमिका ने मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद कहा कि इससे उन्हें आगे की ल?ई के लिए संबल मिला है। इन्दौर के राजस्व निरीक्षक श्री सुबोध से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उनकी निष्ठ को

■ न्यूज गैलरी

डॉक्टरों के बाद इंदौर में अकेले जवान पर टूट पड़े पत्थरबाज, 7 गिरफ्तार



नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। कोरोना मरीजों की संख्या इंदौर में लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद वहां के लोग मानने को तैयार नहीं हैं। सरकारी निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो रही है। इंदौर के चंदन नगर इलाके में पुलिस ने ऐसे लोगों को जब घर जाने को कहा तो इन लोगों ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें एक जवान घायल हुआ है। हमला करने वाले लोगों की ललाश शुरू हो गई है, अभी तक 7 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। टाटपट्टी बाखल के बाद इंदौर के चंदन नगर इलाके में पुलिस जवान पर पथराव हुआ है। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें भागते हुए जवान पर युवक पथराव कर रहे हैं। पुलिस वीडियो फुटेज देखकर आरोपियों की शिनाख्त कर रही है। इस दौरान उन्हें कुछ महिलाएं रोकने की कोशिश भी कर रही हैं, मगर वे जवान पर दौड़ते हुए पत्थर फेंक रहे हैं। वीडियो में देख सकते हैं कि कैसे कुछ युवक पुलिसवाले को मारने के लिए डंडा लेकर दौड़ रहे हैं। घटना चंदन नगर के गली नंबर 10 की है, जहां 8 से 10 युवक एक वैन में बैठकर निकले जबकि इस इलाके में कर्फ्यू लगा है। पुलिस जवान ने जब इन्हें रोककर पूछा कि घर से क्यों निकले। इस पर सब्जी लेने की बात कह गाड़ी आगे बढ़ाने लगे। उसके बाद पुलिसकर्मी पर पथराव करने लगे। पथराव में आरक्षक सुरेंद्र अहाने को चोट लगी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों ने वीडियो मंगवाया, उसके बाद 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जवान पर हमले को लेकर इंदौर डीआईजी हरिनारायण चारी मिश्र ने कहा कि सभी लोगों को पता है कि इंदौर में सख्त लॉकडाउन लागू है। ऐसी स्थिति में अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर निकलता है तो पुलिस तुरंत इंटरफेयर करती है। उसी संदर्भ में चंदन नगर में एक आरक्षक ने कुछ लोगों को रोका। अकेले जवान पर लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। सख्त कार्रवाई करते हुए आधे घंटे में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि हम लोग लॉकडाउन को लेकर बहुत सख्त हैं। अगर ऐसा कुछ होता है तो हमलोग तुरंत ऐक्शन लेंगे। ऐसी घटनाएं बिबल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और सख्त कार्रवाई होगी।

मध्यप्रदेश: लॉकडाउन का 15वां दिन , राज्य में अब तक 313 मामले

भोपाल-इंदौर में कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा

मुंबई-दिल्ली के बाद तीसरे नंबर पर इंदौर पहुंचा, यहां कोरोना के अतिरिक्त मुस्लिम समुदाय में हो रहीं मौतें आशंका को जन्म दे रहीं



यह तस्वीर भोपाल के व्यस्ततम इलाके भारत टॉकी ब्रिज की है। टोटल लॉकडाउन के बाद पुराने भोपाल के हालात में कुछ सुधार हुआ है।

भोपाल में स्वास्थ्य विभाग में जिस तरह से संक्रमण फैला, उसे देखकर विभाग ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए

नव प्रदेश ब्यूरो

भोपाल। लॉकडाउन का आज 15वां दिन है। प्रदेश में 313 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हो चुकी है, इसमें से 23 की मौत हो गई है। दो दिनों में जिस तरह से मरीजों की संख्या अचानक बढ़ी है, उसे देखकर भोपाल और इंदौर में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की आशंका बढ़ गई है। कोरोना के मामलों में मुंबई-दिल्ली के बाद इंदौर तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। इंदौर में कोरोना के अतिरिक्त मुस्लिम समुदाय में हो रहीं मौतें इस आशंका को जन्म दे रही हैं। भोपाल में स्वास्थ्य और पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों में संक्रमण बढ़ा है। ग्वालियर में एक दिन में चार मरीज मिले हैं। श्यापुर, होशंगाबाद, नागदा और बड़वानी जैसे छोटे शहरों में

भी कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। मंगलवार को इंदौर में 22 पॉजिटिव मरीज मिले, इसके साथ ही कुल मरीजों की संख्या 173 पर पहुंच गई। इधर, अस्पताल में इलाज करा रहे कुमारम चौहान (84) और स्नेह धवन (30) की मौत हो गई। दोनों में कोरोना की पुष्टि हुई है। शहर में 24 मार्च को कोरोना का पहला मरीज मिलने के बाद 15 दिन में 15 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ग्वालियर में कोरोना के चार नए मरीज सामने आने के बाद उनके घरों को एपीसेंटर और औसपास के 3-3 किमी क्षेत्र को कैंटोनमेंट और नजदीकी इलाके को बफर जोन घोषित कर दिया गया। कैंटोनमेंट एरिया में शामिल वार्डों के हर घर का सर्वे होने के साथ ही इन क्षेत्रों में यातायात को पूरी तरह प्रतिबंध किया गया है। इस तरह से पूरा शहर ही कैंटोनमेंट और बफर जोन में शामिल हो गया है। इससे पहले प्रशासन चेतकपुरी और टेकनपुर को कैंटोनमेंट क्षेत्र घोषित कर चुका है।

हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन टेबलेट बाजार से गायब सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त स्टॉक

डॉक्टरों की सलाह, दवा का उपयोग फिजिशियन से पूछ कर ही करना चाहिए, क्योंकि इसके साइड इफेक्ट भी हैं

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के साथ ही हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन टेबलेट चर्चा में आ गई है। इसकी चर्चा पूरी दुनिया में तब और बढ़ गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस टेबलेट की मांग की। दरअसल, ये टेबलेट कोरोनावायरस की एक मात्र प्रिवेंटिव मेडिसिन (रोग निरोधक दवा) है। ऐसे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ जो कोरोनावायरस के



पॉजिटिव मरीजों का उपचार करने के लिए लगातार उनके संपर्क में रहते हैं, उन्हें यह दवाई दी जाती है। इसलिए अचानक इस टेबलेट की मांग बढ़ गई है। इस टेबलेट की उपलब्धता के बारे में पड़ताल की तो पता चला कि अस्पतालों में तो यह दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन बाजार में यह टेबलेट 10 गुना अधिक दाम देने पर भी उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की मानें तो पिछले हफ्ते

ही स्वास्थ्य विभाग ने 10 लाख टेबलेट की खरीदी की है। इनकी खरीददारी मध्यप्रदेश हेल्थ कॉर्पोरेशन की ओर से की गई है। इन दवाइयों का मौजूदा परिस्थितियों में और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए राजधानी समेत प्रदेश के दूसरे जिलों को सप्लाई किया गया है। ऐसे में सरकारी अस्पतालों में फिलहाल उक्त टेबलेट की कोई कमी नहीं है।

लॉकडाउन में रात के सत्राटे का फायदा उठाते हुए 7 चोरों के गिरोह ने किराना दुकान से चुराया सामान

सीहोर। एक तरफ कोरोना संक्रमण से लोग घरों के अंदर हैं तो दूसरी तरफ रात के समय हो रहे सत्राटे का फायदा उठाते हुए चोर नमक चौराहा स्थित किराना दुकान को निशाना बनाते हुए वहां से किराना सामान चुरा ले गए। खास बात यह है कि इस गिरोह में करीब 7 लोग दिखाई दे रहे हैं लेकिन इसके बाद भी बीच बाजार से इस तरह चोरी की वारदात को अंजाम दे देना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। नमक चौराहा स्थित राजेश किराना स्टोर के प्रोपराइटर राजेश अग्रवाल ने बताया कि सोमवार की रात में चोरों ने दुकान के दो ताले तोड़े इसके बाद वे दुकान के अंदर घुसे और करीब 35 से 40 हजार का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की वारदात के बाद जब दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज में उक्त घटना को देखा तो घटना रात 3.50 बजे की सामने आई। वारदात के समय अस्पताल चौराहा मार्ग से करीब सात अज्ञात लोग मुंह पर कपड़ा लपेटे हुए आए जिसमें चार युवक, दो महिलाएं और एक बुजुर्ग था जिन्हें कैमरे में स्पष्ट रूप से देखा गया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दुकान के अंदर से बहुत तेज गति से इन लोगों ने सामान बाहर की तरफ निकालना शुरू कर दिया। बाहर दो युवकों ने एक बड़े से झोले में इस सामान को इकट्ठा कर अस्पताल चौराहे की तरफ रवाना हो गया।



कोरोना : हर मोर्चे पर पुलिस मुस्तैद, रायसेन के पुलिसकर्मी खुद तैयार कर रहे मास्क और ग्लब्स

महिला पुलिस ने इसके लिए 28 मार्च से काम शुरू कर मात्र 10 दिनों में 2000 से अधिक कपड़े के मास्क और 450 से अधिक ग्लब्स तैयार कर लिए हैं

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन। सम्भाग के जिलों से कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की रोज अच्छी खबर आ रही है। ऐसी ही एक खबर रायसेन की भी है जहां मास्क की कमी का हल पुलिस ने अपने ही स्तर पर निकाल लिया है। पुलिस लाइन में खुद महिला पुलिस कर्मचारी अपने हाथों से मास्क और ग्लब्स तैयार कर रही हैं। महिला पुलिस ने इसके लिए 28 मार्च से काम शुरू कर मात्र 10 दिनों में 2000 से अधिक कपड़े के मास्क और 450 से अधिक ग्लब्स तैयार कर लिए हैं। इस काम में छह



महिला पुलिस कर्मचारी लगी हुई है। जो रोज ही पुलिस लाइन में 10 से 12 घंटे तक रोज काम कर रही हैं। पुलिस लाइन के टेलर रामनारायण के साथ तृप्ति नामदेव, पंकी पाल, सुष्मा, श्वेता मिश्रा, राजश्री राय, आरती बछनिया, चंचल चौहान, शीतल मेहर, नेहा पटेल ये जिम्मेदारी निभा रही हैं। एसपी मोनिका शुक्ला ने बताया कि पुलिस लाइन में 6 महिला पुलिस कर्मचारियों द्वारा मास्क बनाने का काम किया जा रहा है। जिससे पुलिस कर्मचारियों को मास्क मिल जाएं।

कोरोना वायरस महान एल्युमिनियम ने छेड़ी मुहिमए राहत कार्य शुरू

सिंगरौली में कोरोना के खिलाफ जंग में कूदा हिंडालको

4000 फेस मास्क, 2500 सेनेटाइजर, हैंडवाश व अन्य सामग्रियों का वितरण

समुदाय के साथ पुलिस प्रशासन के बीच भी चल रहा राहत कार्य

कोरोना से बचाव व लोगों को जागरूक करना लक्ष्य

एमपी के सिंघरौली में समुदायों के बीच काम कर रहा हिंडालको

सरकारी दिशा निर्देशों के तहत न्यूनतम कर्मचारी बल के साथ प्लांट का संचालन

नवप्रदेश संवाददाता

सिंगरौली। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में देश की अग्रणी कंपनी हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड पूरी तत्परता के साथ खड़ी है। एमपी



के सिंगरौली स्थित महान एल्युमिनियम प्लांट क्षेत्र में अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए कंपनी ने पूरे प्लांट क्षेत्र के लोगों के बीच मुफ्त फेस मास्क, सेनेटाइजर और हैंडवाश का वितरण कार्य शुरू कर दिया है। कंपनी की ओर से सिंगरौली जिले में लगातार कोरोना से बचाव के तमाम उपायों के साथ-साथ राहत सामग्रियों का वितरण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। हिंडालको द्वारा इस क्षेत्र में अभी तक कुल 4000 मास्क, 150 बोतल हैंडवाश, 2500 हैंड सेनेटाइजर का वितरण

किया जा चुका है और यह कार्य लगातार जारी है। कंपनी द्वारा स्थानीय पुलिस दृष्टांतन के लोगों के बीच भी इन तमाम सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है ताकि कोरोना के खिलाफ जारी इस जंग में सामाजिक के हर वर्ग और व्यक्ति को सुरक्षित और स्वस्थ रखा जा सके। यही नहीं स्थानीय पंचायत के मदद से कंपनी द्वारा 600 राशन पैकेट का वितरण किया गया है जिसमें चावल, आटा दाल, तेल और मसाले शामिल हैं। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों द्वारा 4 हजार अतिरिक्त मास्क का निर्माण

कराया जा रहा है ताकि इस जरूरतमंदों के बीच वितरित किया जा सके। कोरोना को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करने और इस घातक वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से महान एल्युमिनियम प्लांट में कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। यहां प्लांट और कार्यालयों में कम से कम कार्य बल के साथ काम किया जा रहा है। साथ ही सरकार और जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देश का अनुपालन करते हुए कई ठोस और कारगर कदम उठाए हैं। यात्रा से लौटकर आने वाले कामगारों को होम क्वारेटाइन करना और जहां तक संभव हो घर से कार्य करने की अनुमति देने के साथ ही कर्मचारियों की संख्या या घनत्व को कम करने के लिए उन्हें ए, बी और सी शिफ्ट में बांटना प्रमुख है। प्लांट क्षेत्र में बायोमेट्रिक द्वारा हाजरी लगाने की व्यवस्था को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। प्लांट क्षेत्र में रहने वाले

कर्मचारियों, सविदा कर्मियों और उनके परिवार के साथ लगातार बैठकें करने के साथ ही उनके लिए प्रशिक्षण और निरंतर संवाद कायम करने का प्रबंध किया गया है। प्लांट क्षेत्र में नियमित रूप से साफसफाई के साथ ही पूरे इलाके की तमाम सुविधाओं पर कायांलियां पेंडिंग। पेंडिंग कॉलनी को सेनेटाइज कर ने का काम किया जा रहा है। पूरे महान एल्युमिनियम प्लांट को क्वारेटाइन की सुविधा से लैस कर दिया गया है। संक्रमण से बचाव के लिए कंपनी के तमाम वाहनों को लगातार सेनेटाइज किया जा रहा है तथा हर संभव यात्रा को टाला जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों जैसे बरगवां मार्केट, पुलिस स्टेशन और अस्पताल को प्रतिदिन सेनेटाइज किया जा रहा है। आसपास के क्षेत्र में हर कोरोना संदिग्ध पर नजर रखी जा रही है। किसी भी स्थिति से निबटने के लिए एंबुलेंस को 24 घंटे तैनात किया गया है।

आइसोलेशन से भागा संदिग्ध मरीज, गांव से पकड़ा क्वारेन्टाइन में युवक ने छत से कूदने की दी धमकी

होम क्वारेन्टाइन वालों को फोन लगाकर पूछ रहे- बुखार तो नहीं आया, घर से बाहर मत निकलना

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन। जिला मुख्यालय पर महिला छात्रावास में बनाए गए क्वारेन्टाइन सेंटर में इंदौर के एक युवक ने हंगामा कर दिया। वह छत से कूदने की धमकी देने लगा तो अधिकारियों ने पुलिस को बुलाकर उसे जिला अस्पताल स्थित आइसोलेशन में भर्ती कर दिया है। पहले उसके साथ परिवार के सदस्य थे, लेकिन अब उसे जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में अकेला रहना पड़ रहा है। एक दिन पहले बरेली के क्वारेन्टाइन सेंटर में भी एक युवक ने जमकर हंगामा किया था। वह फसल कटवाने का कहकर भोपाल से बरेली तक पहुंच



गया था, यह जानकारी मिलने पर उसे पकड़कर इस सेंटर पर पहुंचा दिया था। यहां पर कैद जैसा माहौल देखकर वह घर भेजने को लेकर हंगामा करने लगा था। हालांकि पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अमले ने कानूनी कार्रवाई होने का भय दिखाकर उसे सख्ती से समझा दिया। इस तरह से यहां पर छह लोग स्टाफ को परेशान कर रहे हैं। जबकि वे उनकी भलाई के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी सेवा में जुटे हुए हैं। वहीं दूसरा मामला चंदना गांव का है। एक युवक जिला अस्पताल के आइसोलेशन केंद्र में भर्ती था,

जिसकी रिपोर्ट कल निगेटिव आई थी, लेकिन उसे सर्दी, खासी होने पर डॉक्टर ने उसे सात दिन तक भर्ती रहने का लिख दिया था। मंगलवार की सुबह यह युवक यहां से भाग गया। जैसे ही अस्पताल प्रबंधन को यह पता चला तो उसे वापस लाने के लिए पुलिस के साथ एंबुलेंस को उसके गांव चंदना भेजी गई। ग्राम पंचायत मुरैलकला के पटवारी, स्वास्थ्यकर्मी, पंचायत सचिव को भी यह जानकारी देकर उसके गांव भेजा गया। जब यह स्टाफ वहां पर पहुंचा तो यह युवक अमले ने कानूनी कार्रवाई होने का भय दिखाकर उसे सख्ती से समझा दिया। इस तरह से यहां पर छह लोग स्टाफ को परेशान कर रहे हैं। जबकि वे उनकी भलाई के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी सेवा में जुटे हुए हैं। वहीं दूसरा मामला चंदना गांव का है। एक युवक जिला अस्पताल के आइसोलेशन केंद्र में भर्ती था,